शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में मनाया गया अंतराष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस

दिनांक 22/5/18 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया, जिसका विषय (Theme) "जैवविविधता के लिए 25 वर्षों के कार्यों को मनाना" ("Celebrating 25 years of Action for Biodiversity") था। कार्यक्रम में आफरी स्टाफ/शोधार्थियों सहित, वन विभाग राजस्थान के कार्मिक, मरु वन प्रशिक्षण केंद्र, जोधपुर के क्षेत्रीय वन अधिकारी, पर्यावरण प्रेमी, स्काउट गाइड/ रोवर रेंजर ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक, जोधपुर श्री आर. के. जैन ने भी भाग लिया इस अवसर पर जैवविविधता से संबन्धित अतिथि संभाषण रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री नरपत सिंह शेखावत (सेवानिवृत्त प्रोफेसर) वनस्पति विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय ने "बायोडाइवर्सिटी इन द एंथ्रोपोसीन, इज इट पॉसिबल टू हेव ए सस्टेनोसीन (Biodiversity in the Anthropocene : Is it possible to have a Sustainocene) विषय पर पावर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जैवविविधता के विभिन्न आयाम, इनके महत्व तथा संरक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी, जिसमें मरुस्थल की जैव-विविधता भी सम्मलित थी। डॉ. शेखावत ने एंथ्रोपोसीन- मानव जनित पर्यावरण (Anthropocene - Human Induced Environment), पर्यावरण पर पड़ते चौतरफा दबाव, घटते जलस्तर, फसलों में उत्तरोत्तर हुए विकास/परिवर्तन इत्यादि पर्यावरणीय मुद्दों सहित जैवविविधता से संबन्धित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की। श्री शेखावत ने कहा कि प्लास्टिक भी एक गंभीर समस्या है। इससे पूर्व संस्थान के निदेशक, डॉ. आई. डी. आर्य ने कार्यक्रम के प्रारम्भ में जैव-विविधता के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की। विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन विस्तार प्रभाग की श्रीमती कुसुमलता परिहार, तकनीकी अधिकारी ने किया। विस्तार प्रभाग के श्री धानाराम, श्री महिपाल विशनोई - तकनीकी अधिकारी, श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीशियन, श्री तेजाराम एवं सूचना प्रकोष्ठ के श्री ज्योति प्रकाश एवं श्री सुनील का सहयोग रहा।

INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION

Arid Forest Research Institute, Jodhpur; 22nd May, 2018
AFRI
Biodiversity in the Anthropocene
- is it possible to have
sustainocene?
Narpat Singh Shekhawat (Retired Professor)
UGC-CAS in Botany, Department of Botany,
JNV University, Jodhpur
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION

25 YEARS
Convention on Biological Diversity
SAFEGUARDING LIFE ON EARTH
INTERNATIONAL DAY FOR BIOLOGICAL DIVERSITY
22nd MAY 2018
Celebrating 25 Years of Action for Biodiversity
Organized by
ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE
(Indian Council of Forestry Research & Education)
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION